भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 130
उत्तर देने की तारीखः 02.02.2022

हाशिये पर स्थित एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों के छात्रों के लिये छात्रवृत्ति

130. श्री मल्लिकार्जुन खड़गे:

क्या सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान, हाशिये पर रहने वाले समुदायों के छात्रों को विदेशों में अध्ययन करने में सहायता देने के लिए "राष्ट्रीय प्रवासी छात्रवृत्ति योजना" हेतु बजटीय सहायता के कुल उपयोग का ब्यौरा क्या है;
(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों से संबंधित छात्रों द्वारा कितने आवेदन किए गए हैं और उन्हें कितनी छात्रवृत्तियां दी गई हैं;
(ग) विगत पांच वर्षों में कुल कितने छात्रों को अनुसूचित जाति के छात्रों के लिये "टॉप क्लास शिक्षा योजना" के तहत छात्रवृत्ति दी गई है; और
(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान "टॉप क्लास शिक्षा योजना" के संवितरण के लिए किये गए व्यय का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री
(श्री ए. नारायणस्वामी)

(क): सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय दो राष्ट्रीय ओवरसीज छात्रवृत्ति (एनओएस) स्कीमों को कार्यान्वित करता है। एक स्कीम सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग द्वारा कार्यान्वित की जाती है जिसके अंतर्गत अनुसूचित जाति, विमुक्त घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जातियों, भूमिहीन कृषि श्रमिकों और पारंपरिक कारीगरों के चयनित छात्रों को विदेश में मास्टर और पीएचडी स्तर के पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। दूसरी स्कीम दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीओईपीडब्ल्यूडी) द्वारा कार्यान्वित की जाती है जिसके अंतर्गत चयनित दिव्यांग छात्रों को विदेश में मास्टर और पीएचडी स्तर के पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण करने के लिए छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। इसी प्रकार, जनजातीय कार्य मंत्रालय अनुसूचित जनजाति के समुदायों से संबंधित छात्रों के लिए एनओएस स्कीम भी कार्यान्वित कर रहा है।

पिछले पांच वर्षों के दौरान लाभवंचित समुदायों के छात्रों के लिए तीनों राष्ट्रीय ओवरसीज छात्रवृत्ति स्कीमों के अंतर्गत कुल 100.62 करोड़ रूपए व्यय किए गए हैं।

(ख): पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रश्न के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित तीनों राष्ट्रीय ओवरसीज छात्रवृत्ति स्कीमों के अंतर्गत कुल 3244 आवेदन प्राप्त हुए थे। उनमें से कुल 726 छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान की गई हैं।

(ग) और (घ): पिछले पांच वर्षों के दौरान एससी छात्रों के लिए उत्कृष्ट श्रेणी शिक्षा स्कीम के अंतर्गत कुल 9794 छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान की गई हैं, और इसी अवधि के दौरान इस स्कीम के अंतर्गत 179.62 करोड़ रूपए व्यय किए गए हैं।

*****